भूरे शेर पे सवार | By Narendra Kaushik |

भूरे शेर पे सवार
तेरी करते हैं पुकार
मेरी मैया भवानी आ जा

तुम हो कलकत्ते वाली
तेरी शोभा अजब निराली
लेके हाथों में कटार
करिए दुष्टों का संहार
मैया भक्तों की धीर बंधा जा

भूरे शेर पे सवार
तेरी करते हैं पुकार
मेरी मैया भवानी आ जा

तुम अष्टभुजी माँ मेरी
क्या शोभा वर्णूँ तेरी
तेरा दुनिया में उजाड़
कोई पाए नहीं पार
मैया भक्तों को दर्शन दे जा

भूरे शेर पे सवार
तेरी करते हैं पुकार
मेरी मैया भवानी आ जा

हम बैठे आस लगाए
माँ करिए भाग्य संवारे
तेरे हृदय में प्यार
अभी करिए न वार
मैया निर्धन का भोग लगा जा

भूरे शेर पे सवार
तेरी करते हैं पुकार
मेरी मैया भवानी आ जा

अब केसर में लाल पुकारे
तूने भक्तों के करज सारे
तुमको दिल में निहार
मेरी मैया करो पार
माँ अब तो किनारे लगा जा

भूरे शेर पे सवार
तेरी करते हैं पुकार
मेरी मैया भवानी आ जा

%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-narendra-kaushik/